

पाप का गणित (कहानी)

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

अति लघुत्तरीय प्रश्न-

1. व्यक्ति किस कारण पथ से भटक जाता है?

Ans:- व्यक्ति लोभ, मोह, अहंकार, क्रोध, ईर्ष्या, अज्ञान, संगति, भय, लालच और स्वार्थ के कारण पथ से जाता है?

2. पाठ में दिए गए चूहे के उदाहरण से क्या सीख मिलती है?

Ans:- चूहे के उदाहरण से सीख मिलती है कि स्वार्थ और तात्कालिक लाभ के पीछे भागना अंत में नुकसानदायक होता है।

3. पाठ में दिए गए मक्खी के उदाहरण से क्या सीख मिलती है?

Ans:- पाठ में दिए गए मक्खी से सीख मिलती है कि बुरी संगति व्यक्ति को अपमान और पतन की ओर ले जाती है।

4. कुकर्मों को क्या गँवाना पड़ता है?

Ans:- कुकर्मों को अपना सम्मान, शांति, विश्वास, अच्छे संबंध, समाज में स्थान और अंततः अपना जीवन तक गँवाना पड़ता है।

लघुत्तरीय प्रश्न-

1. दुष्कर्मों और दुर्यसनों के आकर्षण का क्या प्रभाव होता है?

Ans:- दुष्कर्मों और दुर्यसनों के आकर्षण का प्रभाव व्यक्ति के मानसिक, शारीरिक और सामाजिक जीवन पर नकारात्मक होता है इससे आत्म-सम्मान, संबंध, स्वास्थ्य और जीवन की दिशा बुरी तरह प्रभावित होती है।

2. अदूरदर्शी लोगों के सूक्ष्म चिंतन का अपहरण कौन कर लेता है?

Ans:- अदूरदर्शी लोगों के सूक्ष्म चिंतन का अपहरण उनका स्वार्थ, लोभ और तात्कालिक सुख कर लेता है, जो उन्हें दीर्घकालिक परिणामों और सही निर्णयों से दूर कर देता है।

3. कुकर्मों का अपनी बुद्धिमत्ता के विषय में क्या विचार होता है?

Ans:- कुकर्मों अपनी बुद्धिमत्ता को अत्यधिक मानते हैं और उसे अपने गलत कार्यों को छिपाने के लिए उपयोग करते हैं, जबकि असल में उनकी बुद्धिमत्ता गलत रास्ते पर ले जाती है।

4. वे कौन-से दंड हैं जिन्हें तिलमिलाने वाली पीड़ा के बिना सहन नहीं किया जा सकता ?

Ans:- वे दंड जो तिलमिलाने वाली पीड़ा के बिना सहन नहीं किए जा सकते, वे मानसिक, शारीरिक या सामाजिक अपमान होते हैं जैसे आत्मभ्रान्ति, घोर कष्ट, अपमान या समाज से बहिष्कार से व्यक्ति को गहरे आंतरिक दुःख और मानसिक तनाव में डाल देते हैं।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न-

1. पापकर्मों की क्या विशेषता है?

Ans:- पापकर्मों की विशेषता यह है कि ये तात्कालिक सुख, लाभ या संतोष प्रदान करते हैं, लेकिन लंबे समय में व्यक्ति को मानसिक तनाव, पछतावा, आत्मभ्रान्ति और सामाजिक अपमान का सामना करना पड़ता है इनसे जीवन में विध्वंस, रिश्तों में दरार और आत्मिक शांति की हानि होती है।

2. आतुर लोग पापकर्म में लिप्त हुए क्या करते हैं?

Ans:- आतुर लोग पापकर्म में लिप्त होते समय तात्कालिक लाभ या संतोष के लिए अपने नज़रिए और नैतिकता को नजरअंदाज़ कर देते हैं वे जल्दबाजी में निर्णय लेते हैं, बिना इसके परिणामों को समझे इस प्रक्रिया में वे अपने आत्म-सम्मान, रिश्तों और भविष्य को खतरे में डाल देते हैं।

3. अनीति से अर्जित धन, संपत्ति अपना क्या कुप्रभाव छोड़ते हैं?

Ans:- अनीति से अर्जित धन और संपत्ति व्यक्ति के जीवन में नकारात्मक कुप्रभाव छोड़ते हैं यह मानसिक तनाव, अपराधबोध और आत्मभ्रान्ति का कारण बनते हैं इसके अलावा, यह व्यक्ति को समाज में तिरस्कार और अपमान का सामना कराता है, साथ ही दीर्घकालिक शांति और संतोष को नष्ट करता है।

4. समाज को ब्रास देने वाले लोगों की क्या विचारधारा बन जाती है और उन्हें किस विरोध का सामना करना होता है?

Ans:- समाज को ब्रास देने वाले लोग अपनी स्वार्थी और भ्रष्ट विचारधारा अपनाते हैं, जिसमें दूसरों की पीड़ा से व्यक्तिगत लाभ लेना प्रमुख होता है उन्हें समाज का विरोध, तिरस्कार और कानूनी दंड का सामना करना पड़ता है, क्योंकि उनके कृत्य समाज के नैतिक और सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचाते हैं।